

After passing 60 years of Independence, many families are allowing their children for taking education but this is not enough development of education for our children and still we have need to grow more education and give better future to our country. So that this new act "RIGHT TO EDUCATION ACT 2009" to be adopt

I Sarita Kumari, give my Endeavour in this topic and it will be proceeded in further slides.

What is it?

Education is a fundamental human right and essential for the exercise of all other human rights. It promotes individual freedom and empowerment and yields important development benefits. Yet millions of children and adults remain deprived of educational opportunities, many as a result of poverty.







- Free and compulsory education to all children of the age of 6-14 years.
- This Act has come into force from, April 1, 2010.
- >No Fee will be charged and no Entrance test will be there.
- The right to education will be accorded the same legal status as the right to life as provided by Article 21A of the Indian Constitution.
- > Every child in the age group of 6-14 years will be provided 3 years of elementary education in neighborhood school.



Right to Education Act 200 Benefits



RTC has been a part of the directive principles of the State Policy under Article 45 of the Constitution, which is part of Chapter 4 of the Constitution. And rights in Chapter 4 are not enforceable.

For the first time in the history of India we have made this right enforceable by putting it in Chapter 3 of the Constitution as Article 21.

This entitles children to have the right to education enforced as a fundamental right.











Obstacles to the Right to Education



- Lack of State resources
- Economic conditionality negative implications (public spending cut-backs, user-pays fees, privatization, etc)
- Poverty

POVERTY

- •World Bank study: Cost of books, uniforms, & tuition is keeping indigent pupils out of school
- •More than half of the children enrolled in a primary school, were forced out of school due to their parents' inability to pay fees & buy uniforms



Other obstacle (Education of Girls)

- Heavy workloads
- Cultural beliefs favouring education of boys
- Pregnancy & early marriage
- Long distances to schools (concerns about safety)
- Effects of armed conflict

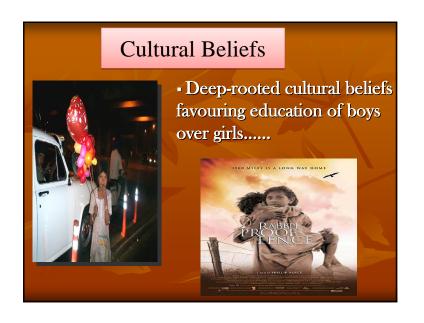


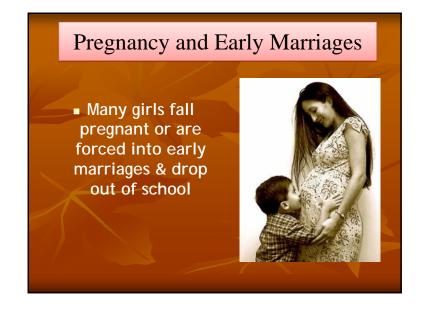
Heavy Workload

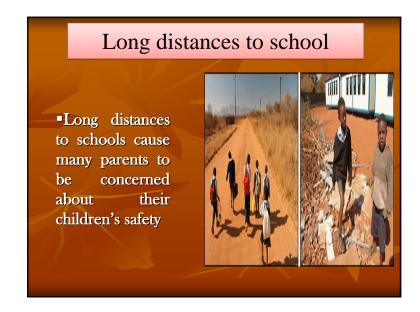
 Heavy workloads disproportionately borne by girls in rural communities









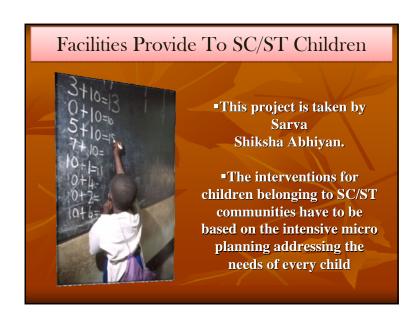








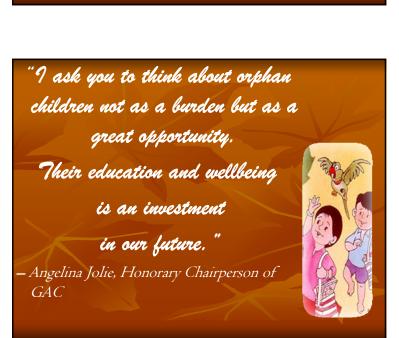




Continued.....

- **Special coaching classes/remedial classes for SC girls.**
- Improved classroom environment to provide equitable learning opportunities to girls. For eg. Karnataka and Gujarat.
- •Free textbooks to all girls/SC/ST children up to Class-VIII.







Textbooks in mother tongue for children at the beginning of Primary education where they do not understand regional language. Aganwadis and Balwadis or crèches in each school in tribal areas so that the girls are not required to do babysitting.



Bridge Language Inventory for use of teachers. This is the intervention in Tribal areas under Sarva Shiksha Abhiyan Special training for non-tribal teachers to work in tribal areas, including knowledge of tribal dialect.

BOOKS PUBLISHED

- These books are kept in the Libraries of different schools and colleges for awareness of students as well as the teaching and ministerial staff. Some books are even kept in the UN-Congress Library at New Delhi.
- Teachers of various school are interacting with the students on these issues in zero hours.
- About legal aid committees, NGO's / Educational Institutions above 55, and some Newspapers have re-printed/Published these booklets as intimated and about 80,000 booklets titled on women, child rights, dalits, arrest, human rights and HIV have been published and distributed free of cost among the general public to create awareness.

Legal Awareness Programmes

- For the awareness of the human rights in public at large, Justice Jain has wrote about 31 booklets of various legal issues. Out of these booklets 18 booklets have been published by the R.S.H.R.C. Many other organizations, District Legal Aid Authorities, Departments, Schools, Colleges etc. has also published some booklets like Women. Children. Dalits, Arrest, HIV/AIDS, Human Rights etc. by the permission of the Commission. They have distributed these booklets in 80000 in numbers.
- Some of these booklets are available on Commission's website www.rshrc.nic.in and justicenagendrakjain.com. English translation of Some booklets are also available on a German website herenow4u.de.
- These books are:

33

जस्टिस एन.के. जैन की उत्कर्ष उपलब्धियां

अवसर एक प्रथम अधिकार रहे अपेट पहुँ प्रथम प्रथम अधिकार रहे अपेट एक अध्यान अधिकार रहे अधिकार रहे अपेट एक अधिकार अधिकार अधिकार रहे अपेट एक अधिकार अधिकार अधिकार रहे अधिकार अ कानव आधवार आरं कारन रायके तिखते हुए, पढ़ते हुए, बोलते हुए और प्रमण करते हुए कानव अधिकार वें कर्तन्य बन गई है। वे गर्वह मानवीर





इलायनीय ही नहीं अधितु लोकतंत्र के इतिहास में लिखने योग्य स्वर्ण

और प्रशेष व्यक्ति को स्वतंत्रत्व को तथा जिला। इस्तित्त्र वैत्र मही स्वाहार पर पूर्व में के पर्वेत किए पातर्ते है केस हो भावता परे दूसते के साथ थे करण होगा। विधि दिल्लेख व कामुणा निद्ध जीरता केन अपनी कावायामार्थी में साथी सुस्का है। में चीहतं, पतिहासी, कार्या में मार्थी सुस्का है। में चीहतं, पतिहासी, कार्यों मार्थी मार्थी मार्थी मार्थी मार्थी भावता में अपनेश (स्वतं है में स्वतं में सुर्व स्वतं में सुर्व भावता में अपनेश (स्वतं है में स्वतं में मार्थी मा क्षितिकों न क्षेत्रकामां को सुन्त कियो रहे ।

प्राथम उपार्थिक कार्याल प्राप्त अभि वर्ष है ।

प्राप्त अभि वर्ष हम्म अभिन कार्याल में वर्ष हम्म अभिन कार्यल कार्याल के ।

प्राप्त कार्याल कार्याल कार्याल कार्याल कार्याल के ।

प्राप्त कार्याल कार्याल

31 booklet have been written by Justice Nagendra Jain (Chairperson RSHRC, Jaipur) on different lega and important issues



माननीय न्यायमूर्ति श्री एन.के. जैन, अध्यक्ष, राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग, (पूर्व व्यायाधिपति मद्रा एवं कर्नाटक उच्च न्यायालय)ने विविध विषयों पर लेख/लघु पुस्तिकाएँ आदि लिखी हैं। जिनका प्रकाशन भी किया गया है। इन लेखों ∕लघु पुस्तिकाओं में से कुछ निम्न है:-सन्थारा/सल्लेखना (हिन्दी व अंग्रेजी में) www.herenow4u.de (Eng.) भारतीय संस्कृति में अहिंसा व मानव अधिकार (हिन्दी व अंग्रेजी में) अणुब्रत व मानवाधिकार खेल, खिलाड़ी व खेल भावना बालकों के अधिकार। (पुनः प्रकाशित) अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस 10 दिसम्बर। (पुनः प्रकाशित) एच.आई.वी. एड्स एवं मानवाधिकार। (पुनः प्रकाशित) मानवाधिकार और जैन धर्म। (हिन्दी व अंग्रेजी में) आयोग की कार्यविधि, शक्तियां एवं परिवादों की निरस्तारण प्रक्रिया। आयोग का कार्यावाय, शाक्तवा एवं पात्वादा का निरस्तारण प्राक्रवा। आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देश एवं अन्य गतिविधियाँ। भारतीय संविधान की अनुच्छेद-21 'प्राण और दैष्टिक स्वतंत्रता का संरक्षण'। P 11. पहिलाओं के अधिकार- संबंधित अधिनियमों की संक्षिप्त जानकारी। (पुनः प्रकाशित, पुनः प्रकाशित 2008) U_{13.} दिलतों के अधिकार। (पुनः प्रकाशित) मानव अधिकार और राज्य की जनोपयोगी योजनाएं। गिरफ्तारी (ARREST) (पुनः प्रकाशित) विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना । जेल कारावास से संबंधित पावधान व गतिविधियाँ । आयोग के महत्वपूर्ण कार्यकलाप दिशा-निर्देश एवं अन्य गतिविधियाँ 2007 19. आयोग के महत्वपूर्ण कार्यकलाप दिशा-निर्देश एवं अन्य गतिविधियाँ (पून: प्रकाशित-2008) আলা কদচবেখুণ কাঞ্চলাৰ বিষ্টা-নিয়ে ছি পৰ শালাগাঘণা (*দুল: ফুলাফান-2008,* Judicial Values & Ethics for Judicial Officers, www.rshrc.nic.in Advantage to Litigant Public by Brihat Lok Adalat, Alternative Dispute Resolution, Conciliation & Mediation (ADR), Institutional Arbitration Intellectual & Information Technology (IPR & IT). Cyber Law. Copy-right Law. Copy-right Law.
e-governance and Court Automation.
Article-14 Right to Equality.
Gender Justice in Employment & in Profession, Empowerment of Women. Law of Precedent, Reference to Art. 141. Directive Principal of State Policies. 34 Public Interest Litigations & others.

· (4) आर्टिकल-51ए में वर्णित मूल कर्तव्यों के प्रति जागरूकता (कलैण्डर्स, पेम्पलेट्स, पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन के माध्यम से)

प्राय: यह देखा गया है कि आज हर व्यक्ति अपने अधिकारों की ही बांत कर रहा है। परन्तु हर भावा के प्रति कम सजग है। इसलिए लोगों में मानवीय अधिकारों के साथ करतियों के प्रति सजग रहने के लिए ननीय अध्यक्ष मार्गेट्स जरिरम एनक्केजिन ने *भारतीय सर्विधान में अनुकोर-61-ए* में वर्गित मुख्य करतीयों की ननारा अन्यतः महादेव आस्तर पियार करता कर दिगिना विकास संदेशकों है निमागे/संख्याओं को भेजकर एक मा के अनुरूप कर एक प्रास्थ्य वैसार करता कर दिगिना विकास संदेशकों है निमागे/संख्याओं को भेजकर एक इंप्रतिन शुरू की गई। इस मुहिम के तहत् करीब 100 स्कूस/संख्याओं में सुबह की प्रार्थना के समय यह संकरप पुरा परिवार है। यो प्रशंसनीय है। इसके अलावा अन्य कई संस्थाओं में भी संकल्प की यह प्रक्रिया केमामीन है। माननीय अध्यक्ष महोदय का मानना है कि इस संकल्प से व्यक्तियों में अच्छे संस्कारों के साथ-साथ वीय मन्य एवं नैतिकता को बढाया मिलेगा और लोगों में अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्ताव्यों की पालना में काठी हट तक जागरूकता पैदा होगी।

alt accelerate statios amorbia uni Bust widt श्री पी.वी. सिंह, आयरेक्टर, टैगोर सूप ऑफ इंस्टीटयुरान,

वैद्या जर्मिल वर्मा, प्रिरित्पल, महावीर पब्लिक स्कूल राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के सम्बद्ध (Affiated) कॉलेज विशेषाधिकारी, शिक्षा (पूप-1) विभाग,

अति। निदेशक (शैक्षिक) प्रारम्भिक शिक्षा, राजा बीकानेर मेडम द्विया मिश्रा शेखावत, डायरेक्टर, सैन्ट्रल एकंडमी

श्री गोरवामी जी व श्रीचन्द्र साहू-भारतीय घरित्र निर्मान संस्थान (एन.जी.ओ. तिहाड जेल) मेडन प्रेरणा अरोडा, 'पहल' पीपुल्स ट्रस्ट, जयपुर (सडक सुरक्षा हेतु एन.जी.ओ.)

परम भागवत शिक्षा एवं सामाजिक विकास संस्थान, (NIFESM) जयपुर। प्रयास, सेन्टर फॉर स्पेशल एजुकेशन एण्ड योकेशनल ट्रेनिंग श्री डिसाबर जैन नशियां उदयताल भी टस्ट, जयपर

वर्ल्ड विजन इण्डिया, जयपुर जैन अनुशीलन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय

नवर्गगल शिक्षा समिति, जयपुर आश्रीय चरित्र निर्माण शंख्यान (एन.जी.ओ. तिहास जेल)

विद्या ट्रस्ट, जयपुर के के के कार्यमेंसियल सर्विसेज, राजापार्क, जयपुर पहल. पीपल्स टस्ट, जवपुर

ळापरेक्टर, टैगोर युप ऑफ एजुकेशन, जयपुर प्रिंसियल डी.ए.वी. सेन्टेनरी स्कूल, वैशाली नगर, जयपुर श्री महावीर दिगम्बर जैन हाई स्कूल एसुमिनी एसोसियेशन, जयपुर - 69 -

जवपर बाल अधिक परियोजना संस्था, जयपर प्रिंशियल सैन्टल एकेंडमी, महावीर नगर, जयपुर राजस्थान ग्रेम्बर ऑफ कामर्स एन्ड इण्डस्ट्री, जयपुर जिला एवं सैशन न्यायाधीश, राजसमन्द

भारतीय युनेस्को क्लब महासंघ, राजस्थान, भीलवाता प्रेसिटेंट, लायन्स क्लब, जयपुर (District 323 E -1Club No. 026309)

भगवान महावीर कैंसर हॉरियटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, जयपुर मोदी इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साईस, सब्सणगर

विक्यान अववाल बी.एड. कॉलेज, जयपर निर्देशक, बियानी गर्लस कॉलेज, विद्यापर नगर, जयपुर चिरित्यल, एस.वी.एम. पब्लिक स्कूल, अम्बावाठी, जयपुर

वितियत, सुबोध पब्लिक स्कूल, जयपुर जैसवाल कुटीर उद्योग, जी-2, रमन मार्ग, जयपुर-4 सरित एकाचोर्ट, लक्ष्यीनारायण मन्दिर, गुरुनानकपुरा, जयपुर 40. राजस्थान पेंशनर समाज/जिला पेंशनर्स समाज, जयपुर

41 K.M.G. College of B.Ed. K.M.G. Teachers Training Ins K.M.G. College of Arts and Science

Thiruvallur Elementary and Higher Secondary School, Vellon लोकरितक पत्रिका में प्रकारान जयपुर कॅसर रिलीफ सोसायटी, जयपुर द्वारा प्रकाशित 'मृत्युंजय' में प्रकारान

राजस्थान पॅशनर्स समाज द्वारा पॅशनर्स पत्रिका में प्रकाशन प्रेरिकेन्ट लायन्स क्लब (District 323 E--1 Club No. 026309) व जैना प्रिटर्स, जयपुर

राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लिमिटेड, जयपुर भारतवर्षीय दिगम्बन जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मुम्बई, राजस्थान अंचल

विद्याल्थली चुप ऑफ इन्स्टीट्युशन्स, जयपुर रेडिशेड शेन्टर जीहरी बाजार जयपर

Cosmic Yoga Combine, Kanti Nagar, Station Road, Jaipur Jajour Diabities & Research Centre, Near Ridhi-Sidhi, Gopalpura Bypass, Jajou विनायक फार्मा, ठी-74 भीया मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

बीजरी अधिका देवी. शासवन्द्र काससीवाल टस्ट. जयपर जयपुर जिला बैडमिन्टन एसोसियेशन, जयपुर राजस्थान पॉलिटेकनिक कॉलेज, रतनगढ (पुरू) व सम्बल सेवा संस्थान, जगुपुर।

Dr. B.Lal Clinical Laborty, Jaipur. वैशाली हितकारी संगठन नागरिक हिलों का सजय प्रहरी, जयपुर

राज्यानी होटल, जयपुर। हिमाचल प्रदेश मानवाधिकार आयोग, श्री देश दीचक





Reciting the Pledge — fundamental duties mentioned in Article 51-A, Constitution of India "We are proud to be Indian" It shall be the duty of every citizen of India: (a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem; (b) to cherish and follow the noble ideals, which inspired our national struggle for (c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India; (d) to defend the country and render national service when called upon to do so; (e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic, and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women; (f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture; (g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers and wild life and to have compassion for living creatures; (h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform; (i) to safeguard public property and to abjure violence; (i) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavor and achievement. BE AWARE OF YOUR RIGHTS AND DISCHARGE DUTY WITH DEVOTION ." Chairperson: Justice N.K. Jain (Former Chief Justice - Madras and Karnataka High Court For Legal awareness and in Public interest published by : Rajasthan State Human Rights Commission, Jaipur website : rshrc.nic.in, herenow4u.de http://justicenagendrakjain.com Courtesy: Rajasthan State Co-operative Press Ltd., Jaipur Phone: 0141-2751417, 2751352

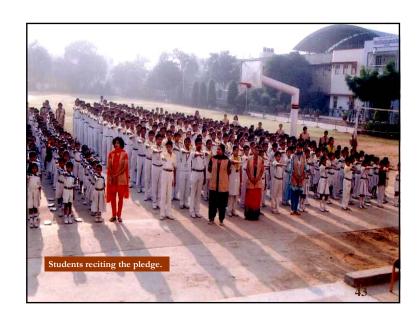


■ In addition to that in legal literacy and awareness program, chairman motivated students and even general public to recite the pledge as mentioned in article 51(A) of Constitution of India. It is good sign that so many schools have started taking prayer as per instructions of different concerned authorities as per the request of the commission. Some of them are as follows:-



बियानी गर्ल्स कॉलेज विद्याधर नगर, जयपुर में राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर छात्राओं को भारत के संविधान के अनुच्छेद 51ए का संकल्प दिलाते कॉलेज के वाइज प्रिंसीपल पी.सी. जांगिड। 41











ACKNOWLEDGEMENT

I Sarita Kumari, is very thankful to Rajasthan State Human Rights Commission for giving me a chance to do the internship from here. And I am thankful to all the people who are concerned in particular Chairperson, thon'ble Justice N. K. Jain for completing my project.

To my mind so many problems may come in implementation. We must all join together, help and cooperate each other to implement in letter and sprit so as to achieve the aims and object of the Act

THANKS